Creating a better world for Women and Children

# होतई

सृजन फाउंडेशन का त्रैमासिक न्यूजलेटर

संपादन : टीम सृजन फाउन्डेशन | अंकः तृतीय | जनवरी-मार्च 2017

**थीम**

- संस्थागत विकास कार्यक्रम
- महिला अधिकार एवं सशक्तिकरण
- बाल अधिकार एवं संरक्षण
- किशोरी सशक्तिकरण
- आजीविका संवर्द्धन

## सृजन फाउंडेशन के 16 साल

सृजन फाउंडेशन अपना 16वाँ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 7 फरवरी, 2017 को सभी यूनिट में किया। इस दिन सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में संस्था के साथियों ने इसे उत्सव के रूप में मनाया।

## परियोजना समीक्षा बैठक का आयोजन

सृजन फाउंडेशन के परियोजनायों का त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन रांची कार्यालय में किया गया, जिसमे सभी यूनिट से प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस समीक्षा बैठक में परियोजनावार कार्य प्रगति और कार्य-योजना पर चर्चा की गयी।

## एडवोकेसी संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

सृजन फाउंडेशन ने अपने एडवोकेसी प्रक्रिया को बेहतर करने के उद्देश्य से "प्रिया संस्था" के साथ मिलकर एडवोकेसी रणनीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में प्रिया संस्था के प्रतिनिधियों ने सृजन के कार्यों के साथ इससे जुड़े एडवोकेसी के बिन्दुओं को समझा। रांची कार्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में प्रिया संस्था के प्रमुख श्री (डॉ०) राजेश टंडन जी ने भी शामिल हुए तथा संस्था के कार्यों को समझा और सराहा।

## महिला हिंसा, भेदभाव एवं सशक्तिकरण

### महिला हिंसा के खिलाफ बढ़ते कदमः एक लेख

झारखण्ड में लिंग भेद-भाव और सामाजिक (पितृसत्तात्मक) सोच के पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए, सृजन फाउंडेशन ने फरवरी 2016 में जेंडर संसाधन केंद्र की स्थापना की है। जिसका मुख्य उद्देश्य झारखण्ड राज्य में महिलाओं के खिलाफ होने वाले लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम और बेहतर माहौल का निर्माण करना हैं।

सृजन फाउंडेशन ने इन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर महिला प्रधान संस्थाओं से पारा लीगल कार्यकर्ताओं का चयन किया है। वर्तमान में झारखण्ड के 8 जिलों से 9 महिला पारा लीगल कार्यकर्ताओं का चयन जेंडर संसाधन केंद्र के अंतर्गत किया गया है। इन कार्यकर्ताओं को महिला हिंसा और विभिन्न कानूनी मुद्दे पर समझ विकसित करने के लिए 4 चरणों में कुल 14 दिनों का क्षमता विकास प्रशिक्षण प्रदान किया गया ताकि वे क्षेत्रिय स्तर पर कानूनी समझ को विकसित करने में मदद कर सकें।

पीड़िताओं के मुद्दों एवं समस्याओं पर बेहतर समझ बनाने और उचित पहल करने के लिए केसवर्क की प्रक्रिया की तकनीकीयों को जानना जरूरी होता है। इसके लिए जेंडर संसाधन केंद्र के द्वारा उड़ीसा में दो अलग अलग संस्थाओं का एक्सपोजर विजिट आयोजित किया गया था। जिसमे जेंडर संसाधन केंद्र से 9 पारा लीगल कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और केस-वर्क की प्रक्रिया, दस्तावेजीकरण एवं कानूनी प्रावधानों को समझा।

जेंडर संसाधन केंद्र के कार्यक्रम को क्रियान्वयन करते हुए पारा लीगल कार्यकर्त्ताओं द्वारा महिला हिंसा से सम्बंधित कुल 100 आपराधिक मामलों को चिन्हित कर हस्तक्षेप किया गया है, जिसमें से कुल 61 केस पर सामाजिक हस्तक्षेप एवं कुल 39 केस पर कानूनी हस्तक्षेप किया गया है। केस का प्रकार कुछ इस प्रकार है - घरेलु हिंसाः 61, बलात्कारः 7, दहेजः10, डायनः6, छेड़-छाड़ः7, बाल विवाहः1, परित्यागः 4, तस्करीः 1, अन्यः3 शामिल हैं।

जेंडर संसाधन केंद्र ने पिछले एक वर्ष में कुल 1675 स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्य, 1746 किशोरियों, 814 फ्रंट लाइन कार्यकर्तायों तक अपनी पहुँच बनाने में सफल हो सकी है। जेंडर संसाधन केंद्र ने सामाजिक जागरूकता को बेहतर करने के लिए 4 मुद्दा आधारित पोस्टर का प्रकाशन किया है, जिसमें मुख्य रूप से हिंसा का प्रकार, बाल विवाह, घरेलु हिंसा प्रावधानों के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया गया है।

वर्ष 2017 में जेंडर संसाधन केंद्र ने अपने कार्य क्षेत्र को विकसित करते हुए 6 नये पारा लीगल कार्यकर्तायों का चयन कर, लिंग आधारित हिंसा व् उत्पीड़न की रोकथाम करने हेतु वर्त्तमान में झारखण्ड के कुल 11 जिलों के 14 प्रखंड के 77 गाँवों में जागरूकता कार्य करने की योजना निर्धारित की है।

जेंडर संसाधन केंद्र के मुख्य कार्य को ध्यान में रखते हुए 16 से 18 मार्च, 2017 को लिंग आधारित विषय जैसे जेंडर, जेंडर एवं लिंग में अंतर, जेंडर भेद, हिंसा, लिंग आधारित हिंसा, घरेलु हिंसा आदि विषयों पर प्रथम चरण में तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है, जिसमे कुल 13 पारा लीगल कार्यकर्ताओं को मुद्दों पर समझ तथा संवेदनशील बनाने का एक प्रयास किया गया है।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

ईचाक, हजारीबागः सृजन फाउंडेशन हजारीबाग ने 29 मार्च 2017 को बोधिबागी गाँव में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को उत्सव के रूप में मनाने के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर श्रीमती कल्याणी शरण (अध्यक्षा, झारखण्ड राज्य महिला आयोग) ने हिस्सा लिया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं सृजन के महिला साथियों के प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गाँव से प्रतिभागी के रूप में आई, लगभग 900 महिलाओं एवं किशोरियों ने अपनी-अपनी चुनौतियों और सफलता की कहानीयों को बड़े मंच पर साझा किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा एवं संस्था के महिला साथियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया.

## राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन

ईचाक, हजारीबागः दिंनाक 24 जनवरी 2017 को सृजन फाउंडेशन के द्वारा इचाक प्रखंड के चंदा गाँव में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 500 किशोरियाँ शामिल हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री राम गोपाल पांडेय, प्रखंड परियोजना पदाधिकारी (श्रीमती ममता सिंह), G-M College प्राचार्य, शिक्षक, मुखिया, स्वास्थ्य सेवा प्रदाता उपस्थित हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों का आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उनके हक और अधिकार के प्रति संवेदनशील करना था।

## राष्ट्रीय किशोरी स्वस्थ्य कार्यक्रम

कुज्जू, रामगढ़ः 6 फरवरी, 2017 को सृजन फाउंडेशन मांडू स्थित कार्यालय के प्रांगण में मांडू क्षेत्र की किशोरियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने, आत्मविश्वास जागाने एवं उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में 550 किशोरियों ने हिस्सा लिया.

## KFB परियोजना के अंतर्गत व्यावसायिक प्रशिक्षण

सृजन फाउन्डेशन के द्वारा चलाया जा रहा किशोरी सशक्तिकरण परियोजन के अंतर्गत मांडू प्रखंड के 7 गाँव से 30 किशोर/किशोरियों को दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, रामगढ़ के तहत् व्यवसायिक प्रशिक्षण से जोड़ा गया।

## महिला हिंसा के खिलाफ "उमड़ते सौ करोड़"

सृजन फाउंडेशन ने महिलाओं के प्रति भेदभाव, हिंसा, प्रताड़ना एवं शोषण के खिलाफ फरवरी माह में "उमड़ते सौ करोड़" अभियान का आयोजन 3 जिलों में किया। "शोषण के विरूद्ध एकजुटता" थीम 2017 पर आधारित इस अभियान में महिलाओं ने नुक्कड़ नाटक, नारा लेखन, चम्मच रेस, हस्ताक्षर अभियान, म्यूजिकल चेयर रेस आदि गतिविधियों के माध्यम से महिला हिंसा के खिलाफ जागरूकता एवं एकजुटता को प्रदर्शित किया।

| जिला | स्थान | तिथि | कुल उपस्थिति |
|---|---|---|---|
| गुमला | काली मंदिर के निकट, पालकोट | 07/02/2017 | 125 |
| हजारीबाग | लुन्दरू चौक, मंडप के निकट, ईचाक | 12/02/2017 | 300 |
| रामगढ़ | प्रेरणा आवासीय विद्यालय, कुज्जू, मांडू | 14/02/2017 | 408 |

## "समझदार जीवनसाथी-जिम्मेदार पिता" परियोजना की गतिविधियाँ

हमारे समाज में आमतौर पर महिलाओं एवं किशोरियों को कमतर आँका जाता है जिससे समाज में असमानता की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके कारण महिलाओं के साथ बचपन से भेदभाव होता है। अधिकांश किशोरियों को पूरी शिक्षा नहीं मिल पाती है। महिलाएं एवं किशोरियां अपनी मर्जी से कहीं जा भी नहीं सकती है। घर के अंदर महिलाओं एवं किशोरियों के उपर पुरूषों का नियंत्रण होता है। हर बात पर पुरूष जानबुझ कर महिलाओं को नियंत्रित नहीं करते बल्कि पुरूष की आज के समाज में जो छवि है महिलाओं पर रिमोट के जैसा काम करती है। जिससे महिलाएं वही करती है जो पुरूष चाहता है।

इस सामाजिक मान्यताओं में बदलाव हेतु सृजन फाउंडेशन अप्रैल 2016 से रांची के बेड़ो प्रखंड के 10 गाँव में पुरूषों एवं किशोरों के साथ सामाजिक मान्यताओं को बदलने एवं महिला मुद्दों पर संवेदनशीलता लाने का प्रयास कर रही है। इसके तहत् पुरूषों एवं किशोरों के साथ मासिक बैठक कर विभिन्न मुद्दों (महिलाओं के आवागमन पर नियंत्रण, महिलाओं का कार्यबोझ, महिलाओं की सुविधा एवं प्रतिबन्ध, परिवार के अन्दर महिला-पुरूषों की भूमिका एवं असर, बाल विवाह के दुष्परिणाम) पर सत्रों का संचालन किया जा रहा है। पुरूषों एवं किशोरों ने बदलाव की दिशा में अब पहल भी करना शुरू कर दिया है।

सबसे पहले हमारे क्षेत्रीय कार्यकर्त्ता (ANIMATOR) ने अपने व्यव्हार में बदलाव लाना शुरू किया, जिसके अंतर्गत चिल्दिरी गाँव के कालिंद्र ने अपने द्वारा कमाए गये पैसे अपनी पत्नी को देना शुरू किया जिसके कारण कालिंद्र की माँ ने उनको घर से अलग कर दिया। कालिंद्र ने स्वयं पहल कर गाँव में कम उम्र में हो रही बच्ची की शादी को रूकवाया। इसके अलावा पुरूषों के समूह सदस्य लाल विश्वनाथ शाहदेव ने किशोरियों को भी कराटे, मार्शल आर्ट एवं वुशु जैसे खेलों के निशुल्क प्रशिक्षण से किशोरियों के आवागमन को बढ़ाया है।

इसके अतिरिक्त, समूह के पुरूषों एवं किशोरों ने अपने घरों के छोटे-छोटे कामो में जैसे झाड़ू लगाना, खाना बनाने में सहयोग करना, घरेलू कार्य के लिए पानी लाना शुरू किया है जिसके तहत् पुरूषों को अपने व्यव्हार में बदलाव लाने में व्यक्तिगत एवं सामाजिक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। फिर भी महिला और पुरूष के बीच समानता लाने में पुरूषों के इस पहल में उनका सहयोग निरंतर रूप से किया जा रहा है। पुरूष संवेदनशीलता पर आधारित यह परियोजना महिला हिंसा और जेंडर भेदभाव को कम करने के लिए एक सार्थक प्रयास है।

## स्वयं सहायता समूहों का "डिजिटलीकरण"

सृजन फाउंडेशन के द्वारा ई-शक्ति परियोजना के तहत नाबार्ड के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों का "डिजिटलीकरण" (Digitization) को रामगढ के मांडू तथा हजारीबाग के ईचाक प्रखंड में क्रियान्वित किया जा रहा है। दोनों प्रखंडों में अब तक 274 स्वयं सहायता समूहों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

इस प्रक्रिया के माध्यम से समूहों का डिजिटलीकरण करके उन्हें स्वतः वित्तीय समावेशन और क्रेडिट लिंकेज करवाना है। समूह के महिलाओं को इस तरह प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिसमे महिलाएं अपने समूह का नियमित बैठक, बचत, लेन-देन, इत्यादि का "टैब इंट्री" करने की प्रक्रिया अपना रही हैं। महिला सशक्तिकरण के दृष्टीकोण से यह परियोजना स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों के नेतृत्व क्षमतावर्द्धन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

## समुदाय आधारित वैकल्पिक बाल देखभाल के लिए सामाजिक उत्प्रेरण

रामगढ़, मांडू: सृजन फाउंडेशन वैकल्पिक/परिवार आधारित/गैर संस्थागत बाल देखभाल को बढ़ावा देने के साथ-साथ विपरीत परिस्थितियों में संघर्षशील बच्चों का आत्म विश्वास बढाने के लिए कार्य कर रही है। मांडू एवं हजारीबाग क्षेत्र में ऐसे 16 बाल क्लबों की स्थापना किया गया है, जिसमें 100 से ज्यादा बच्चे सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इन स्थानीय क्लबों में संवाद/प्रशिक्षण के माध्यम से बाल अधिकार एवं सम्बंधित मुद्दों पर बच्चों को संवेदनशील किया जा रहा है।

इनमे सदस्य के रूप में वैसे वंचित या विपरीत परिस्थिति के बच्चे भी शामिल होते हैं और अपने अन्दर की नकारात्मक भावनाओं एवं अनुभवों को साझा कर खुद हल निकालते हैं। बाल क्लब विपरीत परस्थिति के बच्चों के लिए एक ऐसा प्लेटफार्म होता है जहाँ वे अपने क्षमताओं को पहचान रहे हैं और आत्म विश्वास को बढ़ा रहे हैं।

## वैकल्पिक बाल देखभाल से जुड़े परिवारों का सशक्तिकरण

सृजन फाउंडेशन वैकल्पिक देखभाल करने वाले परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए प्रयासरत है। संस्था विपरीत परिस्थिति में रह रहे बच्चों एवं उनके पालक परिवारों को चिन्हित कर आय संवर्धन कार्यक्रम से जोड़ रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य परिवारों के आय में संवृद्धि कर बच्चों के देखभाल खर्च एवं जरूरतों को पूरा करने में सहायता प्रदान करना है।

यह कार्यक्रम मांडू प्रखंड के 20 गाँव एबं हजारीबाग के सदर प्रखंड की 5 वार्ड में गाँव में चलाया जा रहा है, जिसमे पालक परिवार को न केवल आंशिक आर्थिक सहायता बल्कि व्यवहार परिवर्तन, बाल देखभाल के बुनियादी पहलुओं, स्वास्थ्य एवं परवरिश कौशल पर भी सशक्त किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम को प्रक्रियावद्ध संचालित करते हुए, परिवार की परिस्थिति का विश्लेषण कर आय संवर्धन के लिए निम्नलिखित पहल किया गया है।

| Total Number of Families Involves in Income Generation Activities (IGA) | Piggery | Goarty | Cosmetic Shop | Kitchen Garden/ Vegetable Cultivation/ Sack Farming | Brick Making | Hotel (Tea and snacks stall) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 30 | 06 | 02 | 01 | 18 | 02 | 01 |

## बाल संरक्षण मुद्दे पर जिला स्तरीय "राउंड टेबल मीटिंग"

जनवरी-फरवरी: 2017, सृजन फाउंडेशन द्वारा बाल संरक्षण मुद्दे पर झारखण्ड के छः जिलों में जिला स्तरीय "राउंड टेबल बैठक" का आयोजन किया गया। इन बैठकों में जिले के जोखिमपूर्ण बच्चों की स्थिति सुधार एवं संरक्षण प्रदान करने के लिए चर्चा कर रणनीति तैयार की गयी। बच्चों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जिले में ऐसे परिवारिक माहौल का निर्माण करने पर जोर दिया गया, जहां समाज का हर एक व्यक्ति अभिभावक के रूप में बच्चे का संरक्षण को सुनिश्चित करेंगें।

| जिला | दिनांक | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|
| गिरिडीह | 25.2.17 | 55 |
| पाकुड़ | 20.3.17 | 36 |
| साहेबगंज | 24.3.17 | 39 |
| धनबाद | 8.2.17 | 21 |
| बोकारो | 9.2.17 | 29 |
| चाईबासा | 1.3.17 | 25 |

## परिवार आधारित देखभाल पर जिला स्तरीय उन्मुखिकरण कार्यशाला

फरवरी मार्च-2017, सृजन फाउंडेशन के द्वारा गैर-संस्थागत देखभाल पर जिला स्तरीय उन्मुखिकरण कार्यशाला का आयोजन झारखंड के 4 जिलों में किया गया। इस कार्यशाला में समेकित बाल संरक्षण कार्यक्रम (ICPS) के अनुरूप स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, गोद लेना, रिश्तेदारी देखभाल आदि वैकल्पिक माडल पर चर्चा की गयी।

बच्चों के गैर संस्थागत देखभाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम जिला स्तरीय पदाधिकारियों /हितधारकों को बच्चों के मुद्दों के प्रति संवेदनशील करना भी था।

## वैकल्पिक बाल देखभाल परियोजना अंतर्गत कार्यो का अनावरण

माह जनवरी-मार्च, 2017 सृजन फाउंडेशन ने रामगढ जिला के कुज्जू कोयला खनन क्षेत्र में संचालित वैकल्पिक बाल देखभाल कार्यक्रम को समझने के लिए झारखण्ड राज्य के तीन जिलों के बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति के सदस्य, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भ्रमण किया।

## पशुओं को रोगों से बचाने के लिए आयुर्वेदिक औषधि निर्माण पर प्रशिक्षण

मनोहरपुर प. सिंहभूमः सृजन फाउंडेशन महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के तहत प.सिंहभूम जिला के मनोहरपुर प्रखंड में महिलाओं किसानों को आयुर्वेदिक औषधि निर्माण के लिए प्रशिक्षित किया। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध औषधीय पौधों का इस्तेमाल कर आयुर्वेदिक दवा का निर्माण करने का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें मनोहरपुर प्रखंड के 8 गाँवों की 300 महिलाओं ने हिस्सा लिया।

## महिला मेटों का चयन एवं उत्प्रेरण

मनोहरपुर पश्चिम सिंहभूमः महिला समूहों के द्वारा चुनी गई महिला मेट के साथ प्रखण्ड स्तर पर बैठक किया गया। सृजन फाउण्डेशन के सहयोग से चयनित 80 महिला मेटों ने भाग लिया, जिसमें डोभा निर्माण लक्ष्य को पूरा करने के लिए उन्हें उत्प्रेरित किया गया। साथ ही साथ मनरेगा कार्यों के लिए संसाधन सामग्री भी उपलब्ध करवाया गया।

## जतन के साथियों का केस वर्क पर प्रशिक्षण

## चाइल्डलाइन की एक झलक

## बाल संसद की गतिविधियाँ

## मीडिया कवरेज

**SRIJAN FOUNDATION**
106, Bijoy Enclave, Heerabag Chowk, Matwari
Hazaribagh-825301 Jharkhand
Contact- 094727-51906, 06546 -270523
Email- srijanfoundationjkd@gmail.co
Website : www.srijanjhk.org

**अपीलः** महिलाओं एवं बच्चों के अधिकार तथा सुरक्षित वातावरण निर्माण करने के लिए हम प्रबुद्ध व्यक्तिजनों, संस्थाओं एवं अन्य एजेंसियों से अपील करते हैं कि हमें स्वैच्छिक सहयोग एवं सहायता करें। आप हमें सहयोग हमारे वेबसाइट **Website : www.srijanjhk.org** के माध्यम से कर सकते हैं।

Disclaimer: The Newsletter contains information about the work done by Srijan Foundation. You are receiving this Newsletter because you are in our network or would have visited to our office.